न्यायालय जिला कलक्टर एवं मजिस्ट्रेट, श्रीगंगानगर

विविध बैंक प्रकरण संख्या 187/2022(GCMS : 2022/279)

आवास फाईनेन्सर्स लि., पंजीकृत कार्यालय– 201–202 द्वितीय तल, साउथ एण्ड सकेव्यर, मानसरोवर इण्डिस्ट्रियल ऐरिया जयपुर व **स्थानीय शाखा कार्यालय** शॉप नं. 1 व 2, द्वितीय तल, शक्ति मार्ग, राजस्थान पत्रिका कार्यालय के पास, सूरतगढ़ रोड, श्रीगंगानगर जरिये प्राधिकृत अधिकारी प्रेम सुलेरा

बनाम

1. **संतराम** पुत्र श्री गोपी राम निवासी वार्ड नं. 03, वाटर वर्क्स की गली भोजेवाला, ठेठार, बी.ओ., सूरतगढ़ श्रीगंगानगर –335804 **द्वितीय पता** पट्टा नम्बर 88, भोजेवाला, तहसील सूरतगढ जिला श्रीगंगानगर
2. **इन्द्रो देवी** पत्नी श्री संताराम, निवासी वार्ड नं. 03, वाटर वर्क्स की गली, भोजेवाला, ठेठार, बी.ओ., सूरतगढ़ श्रीगंगानगर –335804

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

01.09.2023

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी बैंक/कम्पनी ने जरिये अधिवक्ता श्री जितेन्द्र पराशर एवं विशाल आहुजा ने एक प्रार्थना पत्र वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत दिनांक 28.11.2022 को प्रस्तुत किया था कि प्रार्थी बैंक/कम्पनी द्वारा अप्रार्थीगण संतराम एवं इन्द्रो देवी को ऋण सुविधा के रूप में राशि 7.00/–लाख रूपये (अखरे रूपये सात लाख मात्र) का ऋण दिनांक 28.05.2018 को स्वीकृत किया था। ऋण की सुरक्षा की एवज में अप्रार्थी **संतराम द्वारा बंधक रखी अपनी अचल सम्पत्ति पट्टा नं. 88, भोजेवाला (क्षेत्रफल 3650 स्केयर फुट), तहसील सूरतगढ जिला श्रीगंगानगर,** का भौतिक कब्जा प्रार्थी बैंक को पुलिस की सहायता से दिलाया जाने की प्रार्थना की है।

मैने, पत्रावली में उपलब्ध उनके प्रार्थना पत्र धारा 14, शपथ पत्र एवं अन्य उपलब्ध दस्तावेजात का भी अवलोकन किया तो पाया कि उक्त प्रार्थना पत्र के अनुसार प्रार्थी बैंक ने **अप्रार्थीगण संतराम एवं इन्द्रो देवी को 7.00/– लाख रूपये (अखरे रूपये सात लाख मात्र)** के ऋण राशि की स्वीकृति दिनांक 28.05.2018 को **प्रदान की थी।** ऋण की सुरक्षा की एवज में अप्रार्थी संतराम ने अपनी **अचल सम्पत्ति पट्टा नं. 88, भोजेवाला (क्षेत्रफल 3650 स्केयर फुट), तहसील सूरतगढ जिला श्रीगंगानगर,** प्रार्थी बैंक के पास रहन रखी। प्रार्थी बैंक के प्रार्थना पत्र धारा 14 एवं उसके समर्थन में प्रस्तुत दस्तावेजात एवं शपथ पत्र के अनुसार प्रार्थी ऋणी का खाता

जिला मजिस्ट्रेट
श्रीगंगानगर

Signature Not Verified
Digitally signed by Ansh Deep Ralh
Date: 2023.09.18 15:28:51 IST
Reason: SelfAttested

दिनांक 03.09.2022 **को अनर्जक परिसम्पत्ति (एन.पी.ए.)** हो गया। बैंक द्वारा अप्रार्थी ऋणी को धारा **13(2) के नोटिस दिनांक 07.09.2022** को जारी कर दिनांक 10.09.2022 को रजिस्टर्ड डाक से भिजवाये गये है। धारा 13(2) नोटिस अप्रार्थीगण को भिजवाने की पोस्ट ऑफिस रसीद एवं प्राप्ति के ऑनलाईन ट्रैक पत्रावली में उपलब्ध है, **जिसके अनुसार अप्रार्थीगण को धारा 13(2) के नोटिस की तामील हो चुकी है।**

वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर कार्रवाई करने के लिए विवादग्रस्त सम्पत्ति जिसका भौतिक कब्जा चाहा जा रहा है वह सम्बन्धित जिला मजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में होना आवश्यक है और दूसरा सम्बन्धित ऋणियों पर धारा 13(2) के नोटिस की तामील ऋणियों/जमानतदारों पर विधिवत् रूप से होनी आवश्यक है।

जहां तक ऋण की एवज में बंधक रखी गई अप्रार्थी संतराम की **अचल सम्पत्ति पट्टा नं. 88, भोजेवाला (क्षेत्रफल 3650 स्केयर फुट), तहसील सूरतगढ जिला श्रीगंगानगर,** जो प्रार्थी बैंक के पास बंधक रखी हुई है, का संबध है, वह निम्न हस्ताक्षरकर्ता के क्षेत्राधिकार जिला श्रीगंगानगर में स्थित है। इसलिए वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के तहत निम्न हस्ताक्षरकर्त्ता कार्रवाई करने के लिए सक्षम है।

जहां तक अप्रार्थी ऋणी पर धारा 13(2) के जारी नोटिस 07.09.2022 की तामील का प्रश्न है। प्रार्थना पत्र के अनुसार दिनांक 07.09.2022 को 60 दिवस में राशि जमा करवाने का धारा 13(2) के नोटिस पर अ**प्रार्थीगण दिनांक 10.09.2022 को ही रजिस्टर्ड डाक से भिजवाया गया है, जिसके** परिणामस्वरूप **अप्रार्थीगण के धारा 13(2) नोटिस प्राप्ति के ऑनलाईन ट्रैक पत्रावली में उपलब्ध है।** जिसके अनुसार अप्रार्थीगण को धारा 13(2) के नोटिस की तामील होना माना जाना उचित है। इसके बावजूद भी अप्रार्थीगण ने बैंक की समस्त [illegible] नही करवाई है **और न ही शपथ पत्र के अनुसार नोटिस पर कोई आपत्ति [illegible]** है। इसलिए ऋण की सुरक्षा की एवज में [illegible] **प्रस्तुत किया** बंधक रखी गई संपतियों का भौतिक कब्जा प्रार्थी बैंक के पास [illegible] प्रार्थी बैंक को दि[illegible] जाना उचित होगा।

जिला मजिस्ट्रेट
श्री गंगानगर

Signature Not Verified
Digitally signed by Ansh Deep Ralh
Date: 2023.09.18 15:28:51 IST
Reason: SelfAttested

अतः उक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी आवास फाईनेन्सर्स लिमिटेड का उक्त प्रार्थना पत्र वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 अन्तर्गत धारा 14 **स्वीकार किया जाता है** और अप्रार्थी ऋणी **संतराम द्वारा प्रार्थी बैंक / कम्पनी से प्राप्त ऋण की सुरक्षा की एवज में बंधक रखी गई अचल सम्पत्ति पट्टा** नं. **88, भोजेवाला (क्षेत्रफल 3650 स्केयर फुट), तहसील सूरतगढ जिला श्रीगंगानगर, का भौतिक कब्जा जरिये पुलिस की सहायता से प्रार्थी बैंक / कम्पनी को दिलाये जाने के आदेश दिये जाते है।** इस आदेश की प्रति जिला पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर को इस आदेश के साथ अग्रेषित की जाती है कि प्रार्थी बैंक को उक्त अचल सम्पत्ति का भौतिक कब्जा दिलाने हेतु उनके चाहे अनुसार, नियमानुसार पुलिस सहायता उपलब्ध करवाई जावें। आदेश की प्रति प्रार्थी बैंक व जिला पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर को पालनार्थ भिजवाई जावे। पत्रावली बाद तरतीब तक़मील दाख़िल दफ़्तर हो।

यह आदेश आज दिनांक 01.09.2023 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(अंशदीप)

जिला मजिस्ट्रेट

श्री गंगानगर

Signature Not Verified

Digitally signed by Ansh Deep Ralh
Date: 2023.09.18 15:28:51 IST
Reason: SelfAttested